इक़बाल अहमद की

लघु - कथाएं

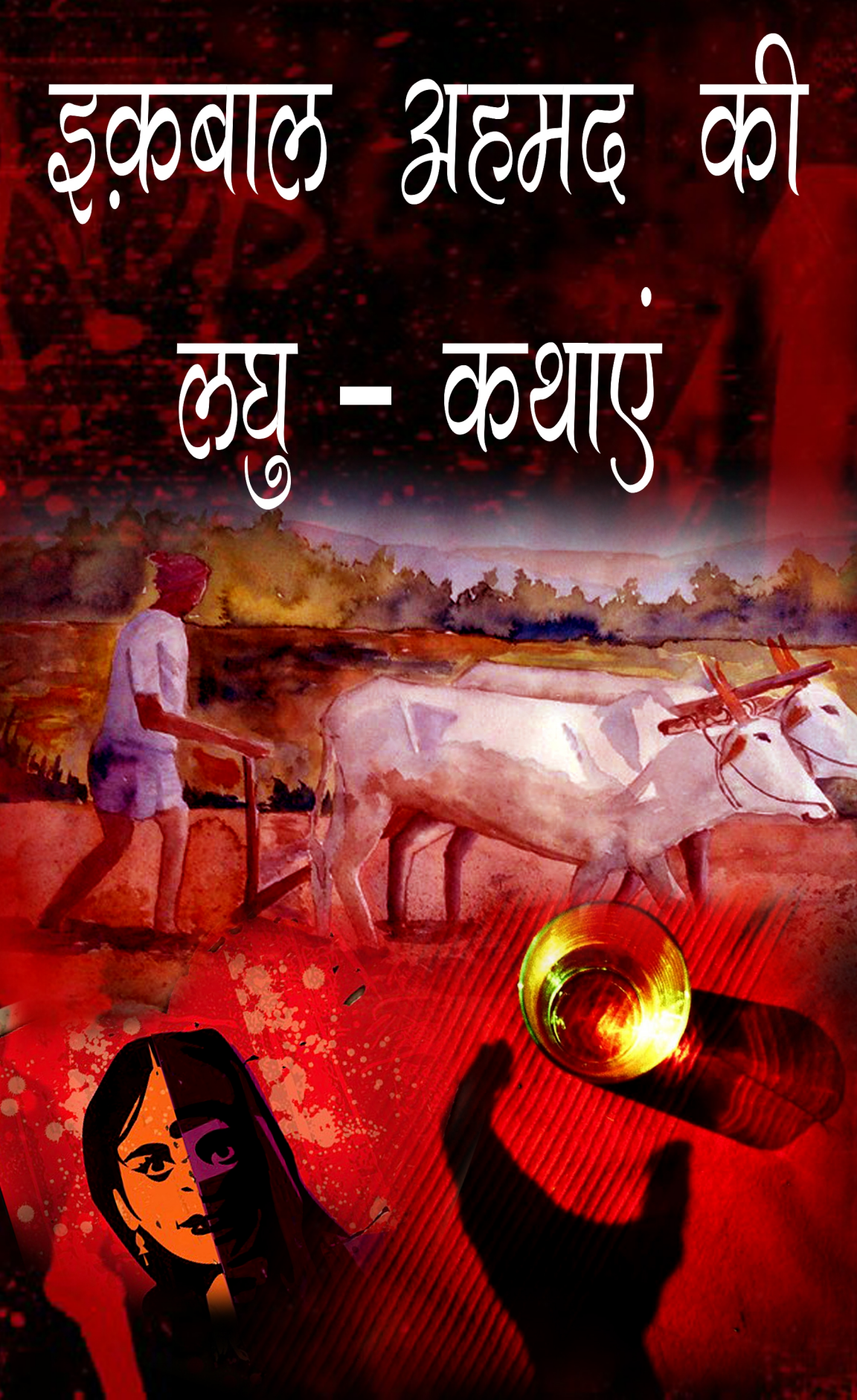

"आत्म हत्या"

पड़ोस में एक लड़की ने आत्म हत्या कर ली। पंखे से लटकता हुआ शव मिला सुबह उसका। दूध वाले में दरवाज़ा खटखटाया कई बार जवाब नहीं मिलने पर खुली खिड़की से देखा तो चीख पड़ा। पड़ोसियों को खबर हुई। चूँकि अकेले रहती थी तो पुलिस को फोन करना पड़ा।

सुबह का वक़्त तो सब अपनी जिज्ञासा शांत कर रहे है।

क्यों मरी, ख़ुदकुशी क्यों की? आज तक किसी को मुह नहीं लगाया उसने।एक दम चलता फिरता पटाखा थी। देखने में भी व्यवहार में भी। पड़ोस वाले मेहरा जी सोच रहे थे अपना गाल सहलाते हुए। एक बार अँधेरे में चांटा खा चुके थे जब उसका हँस के बात करने को वो कुछ और समझ बैठे थे।

खायी अघाई चरबी से लदी फनी आंटियां उसके मॉडर्न कपडे, रात को देर से आने और कभी कभार शाम को आने वाले उस लड़के के बारे में खुसुर फुसुर कर रही थी जो सुबह को जाता था और जब वो लड़का आता तो वो लड़की बहुत खुश दिखाई देती थी।मोहल्ले की बीबीसी चांदनी आंटी ने बताया की ऐसी लडकियों का ऐसा ही हाल होता है।मिसेज मेहरा ने मिसेज चावला को देखा दोनों चांदनी जी को देख कर मुस्कुराई क्योकि चांदनी आंटी की बेटी का अफेयर मिसेज तिवारी के बेटे से था।

राहुल कोने में दुखी खड़ा था। मोहल्ले में एक ही टॉप की लड़की थी जिस पर उसका दिल आया था। लेकिन कमबख्त ने कभी आँख उठा कर नहीं देखा। एक बार लिफ्ट दी बाइक पर तो मन खुश हो गया था। बार बार ब्रेक मारता था और वो पीठ से चिपक जाती थी। फिर उसने बाइक रोकने को कहा। जैसे ही बाइक से उतरी एक झन्नाटेदार चांटा मारा था उसने और बिना कुछ बोले चली गयी। क्या लड़की थी। क्यों की ख़ुदकुशी? तभी मैसेज आया मोबाइल पर प्रिया का था, नयी वाली गर्लफ्रेंड, आईपी गार्डन में मिलना है आज। राहुल सर झटक के निकल लिया प्रिया से मिलने।